

## एक कुंवारी एक कुंवारा-3

“उसने मुझे जबरदस्ती बेड पर लेटाते हुए मेरे चूतड़ों के बीच में लंड लगाकर मुझे नीचे दबा लिया। मैं निकलना चाहता था लेकिन वो नहीं रुका और उसने फिर से वही धक्का मारा... ..”

Story By: हिमांशु बजाज (himanshubajaj)

Posted: Sunday, October 28th, 2018

Categories: [गे सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [एक कुंवारी एक कुंवारा-3](#)

# एक कुंवारी एक कुंवारा-3

मेरी सेक्स कहानी के दूसरे भाग

## एक कुंवारी एक कुंवारा-2

मैं अभी तक आपने पढ़ा कि मेरे स्कूल के दोस्त गौतम ने अपनी पड़ोसन जवान लड़की शीतल को चोद दिया जिससे उसकी सील पैक चूत फट गई... लेकिन साथ ही शीतल के साथ हुई घटना को सोचकर मैं उससे जल रहा था कि गौतम का लंड मुझे क्यों नहीं मिला।

घर पहुंचा ही था कि आधे घंटे बाद गौतम का फिर से फोन आ गया...

मैंने हैल्लो किया तो उसने सीधे बोला- बहनचोद शीतल की माँ आई थी घर पर... मेरी माँ को पूछ रही थी। लगता है उस बहन की लौड़ी ने बता दिया घर पर! यार मेरी तो गांड में पसीना आया हुआ है, समझ नहीं आ रहा क्या करूं ?

मैंने कहा- फिर अब क्या करेगा ?

वो बोला- यार तू भी आ जा, मेरी तो गांड फटी जा रही है यहां अकेले।

मैंने कहा- तू टेंशन मत ले, कुछ नहीं होगा.

वो बोला- नहीं, तू आ जा यार...

मैं गौतम की किसी बात को नहीं टाल सकता था इसलिए मैंने माँ को मनाने के लिए साम, दाम, दंड, भेद सब लगा दिया। बहाने पर बहाने बनाने के बाद आखिरकार माँ ने मुझे गौतम के घर रुकने के लिए हाँ कर दी।

मैं भी उसको ऐसी स्थिति में अकेला नहीं छोड़ना चाहता था ; उसे मेरी ज़रूरत थी। लंड मिले या ना मिले लेकिन दोस्ती का इम्तिहान था।

खाना खाए बिना ही मैं घर से निकल गया। गौतम के घर पहुंचा तो उसने गेट खोलकर मुझे

अंदर घुसाते हुए गेट अंदर से बंद कर लिया। वो घबरा हुआ था, मैंने उसके कंधे पर हाथ रखा तो वो मुझसे लिपट गया।

मैंने कहा- अरे पागल, कुछ नहीं होगा... तू घबरा मत... कुछ नहीं बताएगी वो! उसे भी तो अपनी इज्जत की फिक्र है... टेंशन मत ले।

वो बोला- थैंक्स यार... तू आ गया।

मैंने कहा- जो भी होगा देख लेंगे। लेकिन तू भी ज़रा अपने ठरकीपन को कंट्रोल में रखा कर।

वो बोला- यार मुझे क्या पता था ये सब हो जाएगा।

मैंने कहा- तूने कुछ खाया है?

वो बोला- नहीं, मुझे कुछ आता ही नहीं बनाना, मैं तो बाहर से लाने वाला था खाना... लेकिन आज नहीं जाऊंगा... कहीं उसकी माँ ने पकड़ लिया तो मेरी माँ मेरी जान ले लेगी. और अगर बापू को पता चला तो वो मेरी गांड में डंडा जरूर डाल देगा।

मैंने कहा- अबे कुछ नहीं होगा.

मन ही मन डरा तो मैं भी हुआ था लेकिन इस वक्त गौतम को दिलासा देना ही मेरा फर्ज था।

मैंने कहा- चल किचन में कुछ खाने का जुगाड़ करते हैं.

वो बोला- तुझे आता है खाना बनाना ?

मैंने कहा- हां..

वो बोला- ओ बहनचोद... तूने कब सीख लिया खाना बनाना ?

मैंने कहा- मम्मी को किचन में मदद करते-करते।

“सही है यार...” उसने कहा।

हम दोनों किचन में गए और मैंने प्रेशर कुकर में दाल चढ़ा दी।

उसके बाद एक पतीले में पानी गर्म किया और उबलने के बाद चावल डाल दिए... 20 मिनट में दाल-चावल बनकर तैयार हो गए।  
गौतम अपने रूम में टीवी देख रहा था।

मैंने दाल में तड़का लगाया और दोनों के लिए थाली में दाल-चावल परोसकर ले आया।  
हमने साथ में खाना खाया और फिर मूवी देखने लगे।

मैंने कहा- कमीने दो दिन बाद एग्जाम है... और मैं यहां तेरे साथ मूवी देख रहा हूं।  
वो बोला- अरे, हो जाएंगे एग्जाम... तुझे हर टाइम पढ़ाई की पड़ी रहती है।  
कुछ देर बाद उसने फिर से फैशन टीवी चालू कर दिया।

मैंने कहा- यार... ये देख-देखकर बोर नहीं होता तू ?  
वो बोला- क्यूं तुझे मज़ा नहीं आता क्या नंगी लड़कियाँ देखने में ?  
मैंने झूठे ही कह दिया- आता है लेकिन, ये नंगी कहां हैं... ये तो मॉडल्स हैं.  
वो बोला- और क्या चाहिए... चुदाई वाली...मूवी ?  
मैंने पूछा- तू देखता है क्या ?

वो बोला- और क्या...मेरे पास तो कई सारी हैं.  
तभी उसने अपनी बुक्स को टटोलना शुरू किया और जल्दी ही नीचे दबी हुई एक किताब में से एक सीडी निकाल ली। उसने मेरे हाथ में सीडी पकड़ाते हुए कहा- जरा पकड़ मैं सीडी प्लेयर ऑन करता हूं।  
मैंने सीडी को देखा तो उस पर कुछ नहीं लिखा हुआ था।  
मैंने कहा- इस पर तो कुछ लिखा ही नहीं हुआ है।  
“तो क्या चुदाई की फिल्म लिख दूं...साले ?” उसने कहा।  
उसने मेरे हाथ से सीडी वापस लेते हुए सीडी प्लेयर के अंदर डाल दी और रिमोट से उसको अंदर इन्सर्ट कर दिया।

लोड होकर सीडी चल पड़ी। चलते ही उसमें एक गोरी लड़की पोल डांस करती हुई दिखाई दी। उसकी चूचियां काफी बड़ी थीं जिस पर उसने ब्लैक रंग की जालीदार ब्रा पहनी हुई थी और इसी तरह नीचे जालीदार पैंटी।

किसी बार का सीन था जिसमें सामने एक गोरा 25-30 साल का लौंडा टांगें फैलाकर चेयर पर बैठे-बैठे वाइन पीते हुए लंड को जींस के ऊपर से सहला रहा था।

जैसे-जैसे वाइन खत्म होती जा रही थी... लड़की पहले से ज्यादा कामुक डांस करती हुई अपनी ब्रा को खोलने लगी थी। जब ग्लास में दो सिप ही बचे थे उस गोरी लड़की के चूचे हवा में झूल रहे थे। जिनको देखकर लड़के का लंड उसकी जींस में तन कर दिखाई देने लगा था। उसने दो घूंट में वाइन खत्म की और लड़की ने अपनी पैंटी भी उतार दी।

उसकी गोरी मखमली बाल रहित चूत लड़के की आंखों के सामने थी। वो बार-बार अपने चूचों को दबाते हुए अपनी गांड को पोल से रगड़ रही थी और टांगें फैलाकर लड़के को चूत के दर्शन करवा रही थी।

लड़के का लौंडा भी तनकर झटके देने लगा था।

लड़की तभी पास आकर उसके हाथ से गिलास लेकर अपनी चूत की फांकों पर लगाती है और लड़के के होठों से टच करवा कर उसके लंड को जींस के ऊपर से किस कर लेती है। लड़का उसके मोटे चूचों को छेड़ने दबाने लगता है और लड़की नीचे घुटनों के बल बैठकर लड़के की जींस की जिप खोलकर उसके लंड को बाहर निकाल कर मुंह में लेकर अपने गुलाबी होठों में भर कर लॉलीपॉप की तरह चूसने लगती है।

लड़के की सिसकारी निकल जाती है और वो अपनी टी-शर्ट उतारने लगता है।

लड़की मजे से लंड चूस रही है और लड़का पैंट की बेल्ट खोल देता है। वो अपनी गांड को ऊपर उठाते हुए पैंट नीचे कर देता है और कुर्सी पर नंगा होकर बैठते हुए खड़े लंड को हिलाते हुए लड़की का मुंह अपने लंड पर रखवा कर फिर से चुसवाने लगता है।

लड़की अपनी चूत को अपनी ही उंगलियों से मसलने लगती है। लड़का उसको उठाकर अपने लंड पर बैठा लेता है और वो लड़के के लंड को चूत में डलवाकर चेयर पर उसकी जांघों के बीच में उछलते हुए लंड को लेने लगती है।

इधर गौतम की लोअर में उसका लौड़ा भी तन गया था।

हम दोनों ही आंखें गड़ाकर उस ब्लू फिल्म को देख रहे थे।

कुछ देर बाद चेयर से उठकर लड़का उसको सामने पोल पर झुका लेता है। वो पोल को पकड़ लेती है और लड़का घोड़ी बनी लड़की की चूत में पीछे से लंड डाल देता है। मैं लड़के को देखकर उत्तेजित हो रहा था और गौतम शायद उनकी चुदाई को देखकर। एक बार तो मन किया गौतम के लंड पर हाथ रख दूं... उसका लंड भी खड़ा हुआ है और माहौल भी गर्म है...बात बन जाएगी।

लेकिन फिर रह गया ; मुझमें इतनी हिम्मत नहीं थी।

गौतम के लंड की तरफ देखा तो उसका लौड़ा लोअर में उधम मचा रहा था। बार-बार उछल-उछल कर जैसे कह रहा था कि कोई मुझे मुंह में ले लो।

इधर सामने टीवी स्क्रीन पर उस लड़के की नंगी बॉडी और साथ में लेटे गौतम का तना हुआ लौड़ा मेरे बदन को पसीना-पसीना कर रहे थे।

ना गौतम कुछ बोल रहा था और ना मैं; बस दोनों देखे जा रहे थे।

15-20 मिनट तक उस लड़के ने उस गोरी लड़की को अलग-अलग पोज़ में चोदा और आखिर में उसको चेयर पर बैठाकर उसके चूचों के पास खड़ा होकर लंड को हाथ में लेकर हिलाने लगा। 2 मिनट में उसके मोटे लौड़े से सफेद गाढ़े वीर्य की पिचकारियाँ लड़की के मुंह और होठों पर गिरने लगी जो उसकी टुड्डी से बहकर उसके चूचों तक पहुंच रही थी।

लड़का शांत हो गया और लड़की ने वीर्य को अपने चूचों पर मसल कर मसाज किया तो

मूवी खत्म हो गई।

गौतम ने अपने अकड़े हुए लंड को लोअर के ऊपर से सहलाते हुए एक लंबी अंगड़ाई ली। मैं भी पीछे की तरफ लेट गया, उसने रिमोट से सीडी प्लेयर बंद कर दिया और मेरे पेट पर हाथ रखकर लेट गया।

मैंने उसके बालों में हाथ फिराना शुरू कर दिया। जैसे मैं उसकी गर्लफ्रेंड हूँ और वो मेरा बॉयफ्रेंड...

कुछ ही देर में उसे नींद आ गई।

मैंने उसका हाथ हटाया तो वो सीधा होकर लेट गया।

साथ ही खाने की झूठी प्लेटें पड़ी हुई थीं... मैंने उठकर प्लेटें किचन में रखी और लाइट बंद करके वापस कमरे में आ गया। गौतम टांगे फैलाकर खरटे भर रहा था, उसका लंड भी सो चुका था लेकिन लोअर में उसकी सोई हुई शेप का अगल से पता चल रहा था।

मेरे पास मौका था कि उसके लंड को छू लूं... लेकिन मैंने ऐसा किया नहीं और चुपचाप करवट लेकर उसकी बगल में लेट गया।

थोड़ी देर में मुझे भी नींद आ गई।

सुबह के करीब 4 बजे फोन का अलार्म बजा तो मेरी आंख खुल गई लेकिन अभी आंखों में नींद भरी हुई थी, मन किया कि अभी घंटा भर और सो लूं... 5.30 बजे उठकर घर निकल जाऊंगा।

मैंने फोन का अलार्म बंद कर दिया और वापस आंखें बंद कर लीं।

तभी गौतम का हाथ मेरी कमर से होते हुए मेरे पेट पर पहुंचकर ठहर गया। मेरी अधकच्ची नींद फिर से खुल गई, सोचा कि शायद वो नींद में है इसलिए मैंने उसके हाथ को पेट से हटाकर अपनी छाती की तरफ रखवा लिया क्योंकि मुझे पेट पर गुदगुदी हो रही थी।

मैंने जैसे ही उसका हाथ पकड़कर अपनी छाती पर रखा तो वो मेरे और करीब आकर मुझसे सट कर लेट गया। मेरी गांड उसके लंड वाले भाग की गर्मी महसूस करने लगी। मुझे बड़ी ही प्यार वाली फीलिंग आई और मैंने उसके हाथ पर अपना हाथ रख लिया।

लेकिन उसकी छाती मेरी पीठ से सट गई थी और उसके सांसों की गर्म हवा मुझे अपनी गर्दन पर महसूस हो रही थी। मुझे गौतम का नशा सा चढ़ने लगा और मैंने गांड अच्छी तरह उसके लंड वाले भाग से सटा दी और उसको अपनी तरफ खींच कर अपने से लिपटा लिया। वो मेरी गर्दन को चूमने लगा।

मेरा खुद पर कोई काबू नहीं था। पता नहीं क्या नशा था उसकी छुअन में।

वो मेरी पतली कमर पर हाथ फिराने लगा और अपने लंड को कपड़ों के ऊपर से ही मेरी गांड के बीच में घुसेड़ने लगा। मुझे भी बहुत मज़ा आ रहा था। अगले ही पल उसने मेरी लोअर में हाथ डाल दिया और मेरे चूतड़ों को हाथ में लेकर दबाने लगा। उसके हाथों की पकड़ मुझे उसको सौंप देने के लिए मजबूर कर रही थी।

वो मेरी गर्दन को चूमते हुए मेरी गांड को दबाने में लगा था और मैंने अपना हाथ पीछे ले जाकर उसकी लोअर को टटोलते हुए उसके लंड को ऊपर से पकड़ लिया।

आह्ह्ह्ह्ह्ह्ह...क्या लंड था उसका, मोटा और सख्त। हाथ में आते ही वासना की आग भड़क गई और मैंने गौतम की लोअर में हाथ डालकर उसके लंड को सहलाना शुरू कर दिया।

वो बड़बड़ाने लगा- हाय अंश... तेरी कमर तो शीतल से भी कतिल है यार...

उसने अपनी लोअर निकाल दी और नीचे से नंगा होकर अपना लंड अच्छी तरह मेरे हाथ में पकड़ा दिया। जब उससे रहा न गया तो उसने मुझे अपनी तरफ पलटा लिया और मुझे नीचे धकेलते हुए मेरे मुंह को अपनी टांगों के बीच में तने लौड़े पर ले गया।



मैंने आंखें खोलकर देखा तो उसका मोटा जवान लंड जो हल्का सा टेढ़ा था, प्रीकम की कुछ बूंद निकाल कर मुंह पर से चिकना हो गया था। उसने मेरा सिर अपने लंड की तरफ दबाया। मैं समझ गया कि वो लंड को मेरे मुंह में देना चाहता है।

उसकी आंखें बंद थीं और हाथ मेरी गांड से खेल रहे थे। मैंने उसकी गोरी-गोरी जांघों के बीच में तने उसके जवान लौड़े को मुंह में लेकर चूसना शुरू कर दिया।

“आह्ह्हह... अंश... चूस ले यार... ओह्ह्हह... बहुत दिनों बाद किसी के मुंह में लंड दिया है। चूस यार...तेज-तेज...”

मैं भी उसके हाथों की कठपुतली बनकर उसके जिस्म का आनंद लेने में डूब गया।

उसने मेरे मुंह में गचके मारना शुरू कर दिया और लंड को आंडों तक अंदर पेलने लगा।

उसके आंड मेरे होठों के करीब आकर लौट जा रहे थे।

क्या मस्त लौड़ा था उसका... जैसा मैंने सोचा था उससे कहीं ज्यादा रसीला!

मैं मजे से उसके लंड को चूस ही रहा था कि उसने मुझे पलटा लिया उठकर मेरी गांड के छेद पर थूक दिया। फिर उसने शायद अपने लंड पर थूका और लंड के टोपे को मेरी गांड पर लगाकर मुझसे लिपट गया।

लंड सही तरह से गांड के छेद पर लगा नहीं था इसलिए मुंह पर इधर-उधर फिसल रहा था।

उसने फिर से मेरी गांड के छेद को देखते हुए लंड को सेट किया और एक ज़ोर का धक्का दे मारा... मैं तिलमिला उठा... पहली बार किसी ने मेरी गांड में कुछ डाला था और वो भी इतनी ज़ोर से...

मैं छूटपटाते हुए उससे छूटने की कोशिश करने लगा लेकिन वो मुझे पीछे से किस करते हुए मुझे शांत करने की नाकाम कोशिश करने लगा। मुझे उस वक्त जो दर्द हो रहा था उसे

मैं दो पल के लिए भी और बर्दाश्त नहीं कर सकता था ।

मैंने किसी तरह उसके लंड के टोपे को गांड से बाहर निकलवा लिया और बेड पर एक तरफ बैठ कर गांड को पकड़कर दर्द से कराहने लगा ।

वो भी उठ कर मेरे पास आ गया । मुझे लग रहा था कि बस चक्कर आने वाला है । उसने मेरी पीठ को सहलाया और बोला- दर्द हो गया क्या..

मैंने हां में गर्दन हिलाते हुए जवाब दे दिया लेकिन आवाज़ नहीं निकली.

उसने कहा- बस एक बार दर्द होगा, फिर मजा आएगा तुझे !

मैंने कहा- नहीं यार, मैं नहीं कर सकता ये !

उसने फिर कहा- मान जा ना यार... अबकी बार आराम से करूंगा.

उसने मुझे जबरदस्ती बेड पर लेटाते हुए मेरे चूतड़ों के बीच में लंड लगाकर मुझे नीचे दबा लिया । मैं निकलना चाहता था लेकिन वो नहीं रुका और उसने फिर से वही धक्का मारा...

अबकी बार मेरी आंखों से आंसू निकल गए । मैंने भी पूरा ज़ोर लगाकर उसकी पकड़ से खुद को आज़ाद करवा लिया और बेड से नीचे आकर खड़ा हो गया ।

मेरी गांड फट गई थी शायद ... दर्द बर्दाश्त के बाहर था ।

वो बोला- अंश ऐसे मत कर यार... एक बार करवा ले... बस !

मैंने कहा- नहीं यार... मैं नहीं करवा सकता, मुझे घर जाना है ।

वो बोला- अच्छा ठीक है पीछे मत करवा लेकिन चूस तो ले !

मैंने कहा- नहीं भाई, मुझे डर लग रहा है...

वो बोला- अरे कुछ नहीं करूंगा, बस चूस ले मुंह में लेकर ।

मैंने कहा- देख, अगर तूने फिर से पीछे डाला तो मैं कभी बात नहीं करूंगा तुझसे...

वो बोला- साले क्यों नखरे कर रहा है... चूस ले ना... वैसे भी चूत तो मिलती नहीं । इतना भी नहीं कर सकता मेरे लिए ?

मुझे शीतल वाली घटना याद आ गई और समझ भी आया कि उसको भी कितना दर्द हुआ होगा। लेकिन गौतम का दिल भी नहीं तोड़ना चाहता था।

मैंने कहा- ठीक है, लेकिन बस चूसूंगा और कुछ नहीं ?

वो बोला- ठीक है... पक्का।

मैंने उसको बेड पर लेटाया और उसके लंड को चूसने लगा, लेकिन चूसने में अब कुछ मज़ा नहीं आ रहा था क्योंकि गांड में दर्द ज्यादा था।

कुछ देर बाद गांड का दर्द कम होना शुरू हो गया तो मैंने तबीयत से उसका लंड चूसना चालू किया... लेकिन अब तक मेरा मुंह भी दुखने लगा था।

वो बोला- आहूहूहू...और तेज़...मज़ा आ रहा है डार्लिंग...चूस आहूहूहूहू...

मैंने उसके लंड के साथ उसके आंडों पर भी जीभ फिराते हुए चुसाई चालू की तो वो 2 मिनट में अकड़ने लगा और उसने अपने हाथों से मेरे सिर को अपने लंड पर दबा दिया और मेरे मुंह में उसके मोटे लौड़े से वीर्य की पिचकारी तालू पर लगने लगी।

चार-पांच जोरदार झटकों में उसने अपना वीर्य मेरे मुंह में खाली कर दिया जिसे मैं अपने प्यार गौतम का अमृत समझकर पी गया।

उसके बाद कई बार उसने मुझे अपने घर बुलाने की कोशिश की लेकिन मेरी हिम्मत नहीं हुई क्योंकि जो वो चाहता था मेरे लिए देना मुमकिन नहीं था।

बाहरवीं के एग्जाम हो गए और स्कूल के साथ-साथ दोस्ती भी खत्म हो गई।

लेकिन वो रात आज भी मेरे रौंगटे खड़े कर देती है जब मुझे पहली बार गांड में लंड जाने का दर्द भरा अहसास हुआ था।

हालांकि रवि के लिए मैं हर हद को पार कर गया, क्योंकि प्यार आखिर प्यार होता है जो ना भुलाए भूला जाएगा और ना मिटाए मिट जाएगा... मेरे जाने के बाद भी।

अगर आपने मेरे और रवि के प्यार की कहानी नहीं पढ़ी तो जरूर पढ़ें.

फिर लौटूंगा एक और कहानी के साथ... आपका अंश बजाज

[himbajanshu@gmail.com](mailto:himbajanshu@gmail.com)

